Youth Day Celebration – January 21, 2020

the pioneer
RANCHI | WEDNESDAY | JANUARY 22, 2020

NATIONAL YOUTH FESTIVAL AT ICFAI

Today, National Youth Festival was Celebrated at ICFAI University, Jharkhand campus at Daladali, wherein a number of Cultural Programs, which included Indian classical dances, songs Skirt and Folk dances by school students from Simalia Village. Prior to the event, Rangoli, Quiz and Poster competitions were held, which featured themes like Save Gil Child, Environment protection, Swatchh Bharat etc. Swami Antaranandaji from Rama Krishna Mission Ashram , Padma Shri recipient Mukund Nayak, renowned Folk Song Writer - Dancer and Manas Khawas, OSD-Jharkhand State , BOPT(Eastern Region), MHRD, Govt of India were the guests of honour. The University Newsletter, Palaash – Jan 2020 issue was released on the occasion.

Morning India
www.sanmarglive.com
12 Ranchi, Thursday
23 January 2020

ICFAI University organises National Youth Festival

MI NEWS SERVICE

RANCHI: National Youth Festival was Celebrated at ICFAI University, Jharkhand campus at Daladali, wherein a number of cultural programmes, which included Indian classical dances, songs, skits and folk dances by school students from Simalia Village. Prior to the event, Rangoli, Quiz and Poster competitions were held, which featured themes like Save Gil Child, Environment protection, Swatchh Bharat etc.

Swami Antaranandaji from Rama Krishna Mission Ashram , Padma Shri Mukund Nayak, renowned Folk Song Writer - Dancer and Manas Khawas, OSD-Jharkhand State , BOPT (Eastern Region), MHRD, Govt of India were present on the occasion as guests of honour.

The University Newsletter, Palaash - Jan 2020 issue was also released on the occasion.

Welcoming the audience, Prof. O R S Rao, Vice-Chancellor of the University said, " Today's program was held in view of the 157th Birth Anniversary of Swami Vivekananda, whose messages to the Youth with regard to Self-Confidence, focus of attention and perseverance until goals are reached , are relevant even now. "In order to build overall personality development of our students, our University has been encouraging our students to take active part in cultural programs", added Prof Rao.

Appreciating the efforts of the University in character building of the students, Swami Antaranandaji highlighted the importance of Man-Making Education in Nation Building. Padma Shri Mukund Nayak was full of praise for the cultural programs of the students and said ," There is need to preserve the traditional art and culture of Jharkhand". Mr Manas Khawas said," I am happy to see the excellent infrastructure at the University to conduct BTech and Polytechnic programs. BOPT will provide all needed support to enhance industry interface and placements to the graduating students".

Awards of recognition were given to the winners of all competitions.

Prof. Arvind Kumar, Registrar proposed vote of thanks.

सन्मार्ग
रांची, बुधवार, 22 जनवरी 2020
www.sanmarglive.com
04

इक्फाई विवि में मनाया गया राष्ट्रीय युवा महोत्सव

संवाददाता

रांची : मंगलवार को इकफाई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया गया। इस महोत्सव के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य, गीत स्केट आदि शामिल थे। कार्यक्रम मे सिमलिया गाँव के स्कूली छात्रों द्वारा और लोक नृत्य का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। आयोजन से पहले रंगोली, क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं हुई, जिसका विषय सेव गर्ल चाइल्ड, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत आदि थे। कार्यक्रम के अतिथि राम कृष्ण मिशन आश्रम से स्वामी अंतरानंदजी, पद्मश्री मुकुंद नायक, प्रसिद्ध लोक गीत लेखक नर्तक और मानस खवास, ओएसडी-झारखंड राज्य, बीओपीटी (पूर्वी क्षेत्र), एमएचआरडी, भारत सरकार के थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समाचार पत्र, पलाश - जनवरी 2020 का भी विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने स्वागत करते हुए कहा की यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद की 157 वीं जयंती पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विवेकानंद जी के द्वारा दिए गए संदेश, दृढ़ता और आत्मविश्वास आज भी युवाओं के लिए प्रासंगिक है। राव ने कहा की हमारे छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास का निर्माण करने के लिए हमारे विश्वविद्यालय ने छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। छात्रों के चरित्र निर्माण में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए, स्वामी अंतरानंदजी ने राष्ट्र निर्माण में मानव-निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। पद्मश्री मुकुंद नायक ने छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा, झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है। श्री मानस खवास ने कहा, बीटेक और पॉलिटेक्निक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को देखकर मैं खुश हूं। बीओपीटी स्नातक छात्रों को उद्योग इंटरफेस और प्लेसमेंट बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

रांची एक्सप्रेस
रांची, बुधवार, 22 जनवरी, 2020

इकफाई विवि में राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया गया

संवाददाता

रांची : मंगलवार को राष्ट्रीय युवा महोत्सव इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड के दलादली परिसर में मनाया गया, जिसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य, गीत स्केट आदि शामिल थे। कार्यक्रम मे सिमलिया गाँव के स्कूली छात्रों द्वारा और लोक नृत्य का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। आयोजन से पहले रंगोली, क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं हुई, जिसका विषय सेव गर्ल चाइल्ड, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत आदि थे। कार्यक्रम के संमनित अतिथि राम कृष्ण मिशन आश्रम से स्वामी अंतरानंदजी, पद्म श्री मुकुंद नायक, प्रसिद्ध लोक गीत लेखक - नर्तक और श्री मानस खवास, ओएसडी-झारखंड राज्य, बीओपीटी (पूर्वी क्षेत्र), एमएचआरडी, भारत सरकार के थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समाचार पत्र, पलाश - जनवरी 2020 का विमोचन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने श्रोताओं का

स्वागत करते हुए कहा, की कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद की 157 वीं जयंती के मद्देनजर आयोजित किया गया जिनके ''आत्मविश्वास, दृढ़ता और ध्यान केंद्रित'' करने के लिए युवाओं को संदेश आज भी प्रासंगिक हैं। प्रोफ राव ने कहा की हमारे छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास का निर्माण करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय ने हमारे छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है। छात्रों के चरित्र निर्माण में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए, स्वामी अंतरानंदजी ने राष्ट्र निर्माण में मानव-निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। पद्म श्री मुकुंद नायक ने छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा, झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है। श्री मानस खवास ने कहा, ''बीटेक और पॉलिटेक्निक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को देखकर मैं खुश हूं। बीओपीटी स्नातक छात्रों को उद्योग इंटरफेस और प्लेसमेंट बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यता के पुरस्कार दिए गए।

प्रभात खबर रांची, बुधवार 22.01.2020

इक्फाइ विवि में राष्ट्रीय युवा महोत्सव

रांची. इक्फाइ विवि में युवा महोत्सव का आयोजन किया गया. इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये. इसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य, गीत, स्किट आदि शामिल थे. कार्यक्रम में सिमलिया गांव के स्कूली छात्रों द्वारा लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया. इसके अलावा रंगौली, क्विज व पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता हुई. इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम से स्वामी अंतरानंद, पद्मश्री मुकुंद नायक, लोकगीत लेखक व नर्तक मानस खवास विशेष रूप से उपस्थित थे. महोत्सव में विवि समाचार पत्र पलाश-जनवरी 2020 का विमोचन किया गया. कुलपति प्रो ओआरएस राव ने आगंतुकों का स्वागत किया. स्वामी अंतरानंद ने राष्ट्र निर्माण में मानव निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला. पद्मश्री मुकुंद नायक ने कहा कि झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है. कार्यक्रम में मानस खवास ने भी अपने विचार रखे. रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

2 रांची, बुधवार, 22 जनवरी 2020 सिटी मेट्रो Rays

इक्फाई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया गया

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से होता है युवाओं का चरित्र निर्माण : प्रो. राव

वरीय संवाददाता

रांची: राष्ट्रीय युवा महोत्सव इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के सिमलिया परिसर में मनाया गया। जिसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य, गीत स्कीट आदि शामिल थे। कार्यक्रम मे सिम्मलिया गांव के स्कूली छात्रों द्वारा और लोक नृत्य का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। आयोजन से पहले रंगोली, क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं हुई, जिसका विषय सेव गर्ल चाइल्ड, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत आदि थे।

कार्यक्रम के सम्मनिए अतिथि राम कृष्ण मिशन आश्रम से स्वामी अंतरानंदजी, पद्म श्री मुकुंद नायक, प्रसिद्ध लोक गीत लेखक - नर्तक और श्री मानस खवास, ओएसडी-झारखंड राज्य, बीओपीटी (पूर्वी क्षेत्र), एमएचआरडी, भारत सरकार के थे।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समाचार पत्र, पलाश - जनवरी 2020 का विमोचन किया गया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। ओआरएस राव ने श्रोताओं का स्वागत करते हुए कहा, की आज के कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद की 157 वीं जयंती के मद्देनजर आयोजित किया गया जिनकेआत्मविश्वास, दृढ़ता और ध्यान केंद्रित करने के लिए युवाओं को संदेश आज भी प्रासंगिक हैं। प्रोफ राव ने कहा की हमारे छात्रों के समग्र व्यक्तित्व विकास का निर्माण करने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय ने हमारे छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता रहता है। छात्रों के चरित्र निर्माण में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए, स्वामी अंतरानंदजी ने राष्ट्र निर्माण में मानव-निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। पद्मश्री मुकुंद नायक ने छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा,झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है। श्री मानस खवास ने कहा,बीटेक और पॉलिटेक्निक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को देखकर मैं खुश हूं। बीओपीटी स्नातक छात्रों को उद्योग इंटरफेस और प्लेसमेंट बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यता के पुरस्कार दिए गए। कुलसचिव प्रो अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तावित किया।

www.jharkhandjagran.in झारखंड जागरण

02 रांची, बुधवार, 22 जनवरी 2020

इकफाई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय युवा महोत्सव इक×फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के दलादली परिसर में मनाया गया, जिसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य, गीत स्कीट आदि शामिल थे। कार्यक्रम मे सिमलिया गाँव के स्कूली छात्रों द्वारा और लोक नृत्य का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। सेव गर्ल चाइल्ड, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत विषय पर रंगोली, क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मान्यता के पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि राम कृष्ण मिशन आश्रम से स्वामी अंतरानंदजी, पद्मश्री मुकुंद नायक, प्रसिद्ध लोक गीत लेखक - नर्तक मानस खवास, ओएसडी-झारखंड राज्य, बीओपीटी (पूर्वी क्षेत्र), एमएचआरडी, भारत सरकार शामिल रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समाचार पत्र, पलाश - जनवरी 2020 का बिमोचन किया गया। छात्रों के चरित्र निर्माण में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए, स्वामी अंतरानंदजी ने राष्ट्र निर्माण में मानव-निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। पद्मश्री मुकुंद नायक ने छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा, ₹झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है''। मानस खवास ने कहा, "बीटेक और पॉलिटेक्निक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को देखकर मैं खुश हूं। बीओपीटी (इडढळ) स्नातक छात्रों को उद्योग इंटरफ़ेस और प्लेसमेंट बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

युवा.रोजगार.अवसर

दैनिक भास्कर, रांची, बुधवार, 22 जनवरी, 2020 08

दैनिक भास्कर नॉलेज सीरीज...करियर में सफलता, विषयों का चयन, नए अवसर से अवगत हुए स्टूडेंट्स

चाकू और सोशल मीडिया एक समान इस्तेमाल पर निर्भर करता है : वीसी

- प्री बोर्ड में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स हुए सम्मानित
- रंजीता कुमारी और मनीष को लकी ड्रॉ के माध्यम से मिला टैब

सिटी रिपोर्टर | रांची

दसवीं की छात्रा जाह्नवी ने इक्फाई यूनिवर्सिटी के वीसी ओआरएस राव से सवाल किया कि सोशल मीडिया हमारे शिक्षा में यूजफुल है या डिस्ट्रेक्शन? वीसी ने बहुत ही सलीके से जवाब देते हुए कहा कि यदि किसी के पास एक चाकू है तो लाभदायक है या हानिकारक यह पूरी तरह से इस्तेमाल करने वाले पर निर्भर करता है। उसी प्रकार सोशल मीडिया भी है। जवाब सुनते ही सीएमपीडीआई के मयूरी हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था दैनिक भास्कर और इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड की ओर से नॉलेज सीरीज कार्यक्रम का। मुख्य अतिथि इक्फाई यूनिवर्सिटी झारखंड के वीसी ओआरएस राव, रीजनल हेड इक्फाई ग्रुप ऑफ इंफॉर्मेशन डिपार्टमेंट सुमित राठौर, दैनिक भास्कर के डीजीएम रविकांत दास गुरु मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को सफल होने के गुर बताए।

कई स्कूलों से आए स्टूडेंट्स ने पूछे सवाल...बहुत ही आसान तरीके से विशेषज्ञों ने दिए जवाब

प्री बोर्ड में बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट को सम्मानित करते वीसी।

नॉलेज सीरीज कार्यक्रम में शामिल हुए स्टूडेंट्स और शिक्षक।

एक अच्छा आइडिया है तो निवेश आड़े नहीं आता

वीसी ने कहा कि आने वाले सालों में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी आपके जीवन बदल देंगे। आज आपके पास एक अच्छा आइडिया है तो निवेश आड़े नहीं आएगा। आप एक अच्छा बिजनेस शुरू कर सकते हैं। किसी भी क्षेत्र में एकाएक धनी होने का शॉर्टकट नहीं होता है। विश्वास के साथ काम करें।

प्री बोर्ड में इन्हें किया गया सम्मानित

आदर्श विद्या मंदिर से खुशी, दिव्यांशु सोनी, डीएवी आलोक से सुप्रिया व जया, कपिलदेव से आशुतोष व रिषभ, डीएवी स्वर्णरेखा से जाह्नवी व स्वर्णीम, गोविंद राम कटारुका स्कूल पुंदाग से राखी कुमारी व अरहान, वीवीपीएस से तृप्ती, तान्या, रोहित, प्रेम प्रकाश, नीरज, रितांश शामिल हैं।

जो विषय रुचिकर लगे उसमें कुछ कर दिखाएं

ओआरएस राव ने कहा कि आपको यदि करोड़पति बनना है, तो सबसे पहले अपने इच्छा के अनुसार लक्ष्य का निर्धारण करें। इसको हासिल करने का जुनून होना चाहिए, जैसा क्रिकेट को लेकर धौनी में है। जिस क्षेत्र में आपका लगन जुड़ गया मानो आप सफल हो गए। आधी सफलता तो विश्वास होने पर मिल जाती है। किसी भी काम को करने से पहले उसमें आपको विश्वास लाना होगा। इसके बाद आप सफल हो सकते हैं। काम ऐसा करें, जिससे रात में गहरी नींद सो सकें।

दैनिक भास्कर
रांची, गुरुवार 23 जनवरी, 2020

CITY ACTIVITY

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड में राष्ट्रीय युवा महोत्सव पर कार्यक्रम

स्टूडेंट्स ने शास्त्रीय नृत्य, गीत और नाटक से किया दर्शकों का मनोरंजन

सिटी रिपोर्टर. रांची

गर्ल चाइल्ड, पर्यावरण संरक्षण पर पोस्टर प्रतियोगिता

इक्फाई विश्वविद्यालय झारखंड कैंपस में राष्ट्रीय युवा महोत्सव पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। यहां भारतीय शास्त्रीय नृत्य, गीत, स्किट की प्रस्तुति ने दर्शकों का जबरदस्त मनोरंजन किया। कार्यक्रम में सिमलिया गांव के स्कूल स्टूडेंट्स ने लोक नृत्य की खूबसूरत प्रस्तुति दी। आयोजन से पहले रंगोली क्विज और पोस्टर प्रतियोगिताएं भी हुईं। जिसका विषय सेव गर्ल चाइल्ड, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत आदि थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राम कृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अनंतानंद, पद्मश्री मुकुंद नायक उपस्थित थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समाचार पत्र पलाश का भी विमोचन किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की 157वीं जयंती पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विवेकानंद के विचारों आत्मविश्वास, दृढ़ता का संदेश आज के युवाओं तक पहुंचाना है। कहा कि हमारे स्टूडेंट्स के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए हम छात्रों को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। स्टूडेंट्स के चरित्र निर्माण के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए स्वामी अंतरा नंद ने राष्ट्र निर्माण में मानव निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं पद्मश्री मुकुंद नायक ने स्टूडेंट्स के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा कि झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है।

आज
www.ajhindidaily.com
रांची, २२ जनवरी, २०२०
राजधानी

छात्रों के चरित्र एवं राष्ट्र निर्माण में शिक्षा का महत्व : स्वामी अंतरानंद

इक्फाई विवि में राष्ट्रीय युवा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

सभी छाया : राजकुमार

रांची। इकफाई विवि दलादली में आज राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया गया। इसमें कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से माहौल को खुशनुमा बना दिया। आयोजन से पहले रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिताएं हुई। जिसका विषय सेव द गर्ल चाइल्ड एवं पर्यावरण संरक्षण पर था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी अंतरानंद, पद्मश्री मुकुंद नायक, प्रसिद्ध लोग गीत लेखक, नर्तक और मानस खवास, ओएसडी झारखंड राज्य बीओपीटी (पूर्वी क्षेत्र), एमएचआरडी भारत सरकार थे। इस अवसर पर विवि के समाचार पत्र पलाश जनवरी 2020 का बिमोचन किया गया। विवि के कुलपति प्रो.ओआरएस राव ने इस मौके पर कहा कि आज के कार्यक्रम स्वामी विवेकानं की 157 वीं जयंती के मद्देनजर आयोजित किया गया। जिनके आत्म विश्वास, दृढ़ता और ध्यान केंद्रित करने के लिए युवाओं का संदेश आज भी प्रासंगिक है। छात्रों के चरित्र निर्माण में विवि के प्रयासों की सराहना करते हुए स्वामी अंतरानंद ने राष्ट्र निर्माण में मानव-निर्माण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। पद्मश्री मुकुंद नायक ने छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की और कहा कि और कहा कि झारखंड की पारंपरिक कला और संस्कृति को संरक्षित करने की आवश्यकता है।